प्रेस विज्ञप्ति

दिनांक 14/06/15 को विश्व रक्तदान दिवस पूरे विश्व मे मनाया जाता है, गुरु श्री गोरक्षनाथ ब्लड बैंक ने यह पहल गोरखपुर में करके एक आनूठा उदाहरण प्रस्तुत किया है। ब्लड बैंक मे रक्त लेने आए रोगी तथा रोगी के परिजन तथा उनके साथ आए हुए रक्तदातागण सभी के बीच मिष्ठान वितरण तथा प्रतिक स्वरुप कुछ भेट दिए गए। इस अवसर पर उपस्थित ब्लड बैंक प्रभारी डा0 अवधेश अग्रवाल ने रक्तदान एवं विश्व मे व्याप्त रक्त कि कमी के विषय मे सभी को जानकारी दी। डा0 अग्रवाल ने बताया की जितने रक्त यूनीट की आवश्यक्ता होती है उससे लगभग आधा रक्त की आपूर्ती रोगीयों को हो पाती है। तथा शेष रोगी या तो व्यवसायिक रक्तदाता के चंगुल मे फंस जाता है अथवा बिना रक्त के ही अपनी गति को प्राप्त होता है। उन्होने आगे बताया कि कोई भी स्वस्थ व्यक्ति जिसकी प्रारम्भिक स्वास्थ्य कि जॉच ब्लड बैंक करता है। 18 से 65 वर्ष की आयु तक हर तीन माह के अन्तर पर रक्तदान कर सक्ता है। इस तरह के रक्तदान से रक्तदाता का शरीर स्वयं स्वस्थय एवं स्फूर्तीवान होता है। गुरु श्री गोरक्षनाथ ब्लड बैंक में कुछ माह पूर्व में एक ऐसी मशीन की स्थापना हुई है जिसके द्वारा रक्तदाता केवल प्लेटलेट का दान कर सक्ता है। रक्तदाता के शरीर से रक्त निकाल कर मशीन में पहुॅचता है जहां पर प्लेटलेट एकत्रित हो जाता है। तथा रक्त का शेष भाग शरीर में पुनः वापस चला जाता है, ऐसा रक्तदाता सप्ताह में 2 बार तथा माह में 4 बार वर्ष में 20 बार प्लेटलेट दान कर सक्ता है।

ऐसे बहुत सारे जटिल रोग है जिसमें प्लेटलेट की कमी होती है जैसे डेंगू, मश्तिष्क ज्वर, जापानी वायरल बुखार इत्यादि इन विमारीयों मे यह प्लेटलेट संजीवनी का कार्य करती है।

इस अवसर पर रक्तदाताओं का सम्मान चिकित्सालय के एक वृद्ध रागी द्वारा किया गया।

विश्व रक्तदान दिवस पर चिकित्सालय के अधिकारी, चिकित्सक गण, कर्मचारी एवं नगर के अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।